कपड़े की प्रति व्यक्ति खपत में गिरावट

1024. **श्री राम जेठमलानी :**
श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में कपड़ा उद्योग के पर्याप्त विस्तार तथा विकास के बावजूद कपड़े की प्रति व्यक्ति खपत में लगातार गिरावट आ रही है ;

(ख) यदि हां, तो 80 और 90 के दशकों के आरम्भ के दौरान देश में कपड़े की प्रति व्यक्ति खपत कितनी रही है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि देश में विद्यमान जलवायु को देखते हुए कपास के कपड़े का गैर-कपास के कपड़े की अपेक्षा अधिक उपयोग होता है ; और

(घ) यदि हां, तो कपास के कपड़े की कीमतों पर नियंत्रण रखने के लिये सरकार द्वारा क्या कदम उठाये जा रहे हैं ?

वस्त्र मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जी. वेंकट स्वामी) : (क) जी, नहीं । कपड़े की प्रति व्यक्ति खपत वर्ष 1988 तक निरन्तर बढ़ रही थी । तथापि, वर्ष 1989 और 1990 में इसमें मामूली गिरावट आई ।

(ख) 1980 और 1990 के दशकों के आरम्भ में देश में प्रति व्यक्ति खपत क्रमशः 13.43 मीटर तथा 14.03 मीटर थी ।

(ग) सूती कपड़े की प्रति व्यक्ति खपत ब्लेंडिड और गैर-सूती कपड़े की खपत से बहुत अधिक है ।

(घ) कपड़े की कीमतें जिनमें सूती कपड़ा भी शामिल है, उत्पादन की लागत, लाभांश, मांग-पूर्ति स्थिति आदि जैसे बाजार संबंधी विभिन्न कारकों द्वारा तय की जाती है । तथापि, सरकार समाज के कमजोर वर्गों के लाभार्थ जनता कपड़ा योजना, कन्ट्रोल कपड़ा योजना, सुलभ/सुषमन/सौभाग्य साड़ी योजना जैसी विभिन्न योजनायें क्रियान्वित कर रही है ।

हथकरघा उद्योग में पूंजी निवेश

1025. **श्रीमती सुषमा स्वराज :**
डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मंत्रि-मंडलीय उप समिति ने सरकार से सिफारिश की है कि हथकरघा उद्योग को पूंजी प्रदान करने संबंधी प्रक्रिया को सुप्रवाही बनाया जाना चाहिये और इस उद्योग में अधिक पूंजी निवेश के लिये सुविधायें प्रदान की जानी चाहियें ।

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने हथकरघा उद्योग में अधिक पूंजी निवेश के लिये सुविधायें प्रदान करने संबंधी प्रश्न पर विचार किया है : और

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार की विस्तृत योजनायें क्या हैं ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जी. वेंकट स्वामी) : (क) हथकरघा क्षेत्र से संबंधित मामलों के लिये गठित अन्तर मंत्रालय समिति ने हथकरघी को पूंजी उपलब्ध कराने के मामलों की जांच की है ।

(ख) जी हां ।

(ग) निस्सहाय बुनकरों के लिये मार्जिन मनी नामक योजना में गरीबी की रेखा के नीचे बुनकरों को 2000 रूपये की दर से सहायता दी जाती है जो प्राथमिक हथकरघा सहकारी समितियों के पंजी आधार में वृद्धि करने के लिये प्रयोग की जाती है । प्रोजेक्ट पैकेज योजना के अन्तर्गत भी हथकरघा अभिकरणों के पूंजी आधार में वृद्धि करने के लिये सहायता दी जाती है । विपणन विकास सहायता के अन्तर्गत दी गई सहायता भी हथकरघा अभिकरणों के पूंजी आधार में वृद्धि करने के लिये प्रयोग की जाती है । सहकारी क्षेत्र में कार्यशील पूंजी ऋण के लिये हथकरघा बुनकरों को नाबार्ड रियायती दर पर पुनर्वित्त देता है ।

Nan-Ratifioaton of International Jute Agreement

1026. SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA: WW the Minister of TEXTILES be pleased to state;

(a) whether it is a fact that certain jute importing countries have not ratified the International Jute Agreement signed two years ago;

(b) if so, what are the names of the jute importing countries which are yet to ratify the International Jute Agreement stating the reasons therefor;

(c) what is the manner in which it has affected the exports of jute products to EC countries; and

(d) what are the steps taken by Gov ernment in this matter?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI G. VENKAT SWAMY): (a) to *id)* Certain jute importing countries including Algeria, Argentina, Austria, Canada, Morocco, Phillipines, Poland, Syria, Turkey, Yugoslavia, and the CIS have not ratified/signed the International Agreement on Jute and Jute Products, 1989 for their own reasons. The non-ratification of this Agreement by these countries has BO bearing on exports of jute products to EC countries.

गुजरात में धागे के उत्पादकों को दी गई सहायता

1027. **श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी** क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार ने 1990–91, 1991–92, 1992–93 और 1993–94 वर्षों के दौरान गुजरात राज्य में स्थित धागे का उत्पादन करने वाली इकाइयों को, जिलावार कितनी वित्तीय सहायता प्रदान की ;

(ख) क्या हथकरघा बुनकरों को धागे के अतिरिक्त दी गई धनराशि उक्त वर्ष के दौरान उनकी आवश्यकताओं तथा मांगों के अनुरूप थी,

(ग) क्या सरकार धागे के उत्पादकों के उत्थान के लिए कोई ठोस कार्य योजना कार्यान्वित कर रही है, और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या हैं ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जी० वेंकट स्वामी) : (क) केन्द्रीय क्षेत्र की योजना के अन्तर्गत गुजरात में सूत उत्पादन करने वाली कताई ईकाईयों को सूत देने के लिए हथकरघा बुनकर क्षेत्र से इस अवधि के दौरान कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ था ।

(ख) हथकरघा क्षेत्र के विकास के लिए कार्यान्वित विभिन्न चालू योजनाओं के अन्तर्गत गुजरात सरकार से प्राप्त ठोस